आरएनआई पंजीयन RAJHIN/2016/72902
डाक पंजीयन RJ/ UD/ 29-150/ 2017-2019

शब्द रंजन

संस्थापक एवं संरक्षक डॉ. महेन्द्र भानावत

विचार एवं जन संवाद का पाक्षिक

वर्ष 3 | अंक 15 | उदयपुर बुधवार 15 अगस्त 2018 | पेज 8 | मूल्य 5 रु.

आओ, अब तू-तू मैं-मैं बन्द करें

सात दशक हो गये हमारी आजादी को मगर कई बार लगता है ज्यों-ज्यों समय बीतता है हमारी परिपक्वता अखण्ड होने की बजाय मोतीचूर की जगह-चूर-चूर होती जा रही है।

आजादी के पहले को झांके जरा ; कैसे सब संगठित थे। आजादी प्राप्त करने को एक साथ मुट्ठियां तानते थे। प्रभात फेरियां निकाल सर्वजन को सचेचित करते थे। गर्व से सीना ही नहीं तानते, हाथों में झण्डा लिये स्वाभिमान की आंखों में आंखें डालकर जोश की हूंकार टंकारते, कदमताल करते गाते बढ़ते थे- 'शान न इसकी जाने पाये, चाहे जान भले ही जाये।'

और आज! वह असल मन प्रदूषित हुआ लगता है। देश के लिए समर्पण और जान की बाजी लगाने का भाव तिरोहित हुआ लगता है। कण्डों पर बाटियां सेक समूह भोज की प्रीति बढ़ाने की बजाय सत्ता हथियाने के हथकंडे जलजले उबाल खाते लगते हैं। अपनी आंखें बड़ी करने के बजाय एक-दूसरे को आंख दिखाने और आंख मारने में पोमा रहे हैं। जो पार्टी किसी समय पवन वेग से उड़ती थी आज पंख फड़फड़ाने की स्थिति में भी कमजोर बनी हुई है।

जो बलशाली हैं वे भी व्यर्थ की दहाड़ और हूंकार में अपनी मांसपेशियां गरमा रहे हैं। ठण्डे मन से विकास का वितान तानने की सामर्थ्य वाले भी गरमा रहे हैं। विश्व में अपने राष्ट्र की सर्वश्रेष्ठता का रिकार्ड बनाने की बजाय सारा ध्यान ऐनकेन प्रकारेण दूसरों का रिकार्ड तोड़ने की होड़ाहोड़ी मची हुई है। माचीस की तिली जलाकर मीठा प्रकाश फैलाने की बजाय मशाल जलाकर चकाचौंध पैदा करने की विधियां खोजने-खोदने में खदबदी दांव लगाने की पहलवानी हो रही है।

देश ऐसे नहीं बनता है। न आगे बढ़ता है। उगता सूरज सभी को अच्छा लगता है। मनुष्य क्या पंछी और जड़ जगत तक उसकी अगवानी कर अभ्यर्थना करता है। अकारण की तपन भली नहीं होकर किसी का भला नहीं करती। गुड़ की भेली सबको स्वाद देती है। अपनी मिठास में सबको बांधती है। ऐसा बांध बंधन नहीं होता। उसका कण-कण स्नेह सौहार्द्र से भरपूर कीड़ी से लेकर करगेट्ये तक को तृप्ति देता है।

राजनीति की आपसी रगड़पट्टी कहीं शोभा नहीं देती। देश बढ़ाने, देश बनाने की, रंग की राजनीति हो। देश सेवा की, जन सेवा की नीति लिये हो। वादों की, घोषणाओं की, गपड़शपड़ की राजनीति बहुत हो चुकी। ऐसी राजनीति करने वालों को जनता ने भी देख लिया है। रही सही को जनता फिर देख लेगी। अभी भी समय है, नेता सम्भल जायें। नहीं तो जनता सम्भला देगी। वे समझले कि कहां हैं, कहां उन्हें होना चाहिये।

दूब तभी तक श्रेष्ठ होती है जब वह दूब बनी रहे। दूब बनी रहने से उसकी हरीतिमा बनी रहेगी। अपनी स्वाभिमानी नोक सदा ही सिर उठाये होगी। वह जन-समुदाय के चरण-कमलों से दबकर भी दबंग बनी रहेगी। उसकी निगाह पहाड़ की सबसे ऊपरी चोटी को परस किये रहेगी। दृष्टि में जरा सी चूक या खोटाई आई कि धड़ाम से उस पर कोई पहाड़ी पाथर गिरकर उसकी हवा फुस्स कर देगी।

नेताजी तो एक ही थे जो सबकी निगाहों में चढ़ गये। वे सुभाषचन्द्र बोस थे। उनका जन-आह्वान था- 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा।' ऐसे ही एक महाकवि हो गये माखनलाल चतुर्वेदी। उन्होंने तो अपना उपनाम ही 'एक भारतीय आत्मा' रख लिया था। उनकी 'एक फूल की चाह' कविता ने युवाओं की रग-रग में स्वतंत्रता का जोश भरा था।

आज भी वे पंक्तियां उसी रूप में देशवासियों में दमखम भर रही हैं- 'मुझे तोड़ लेना वनमाली, उस पथ पर देना तुम फैंक / मातृभूमि पर शीश चढ़ाने, जिस पथ जावें वीर अनेक।' हम सब अपनी राष्ट्र-बगिया के फूल ही हैं। कोई शक नहीं, हमारी इस बगिया पर कइयों की वक्र निगाहें हैं। आइये, हम सब मिल अपनी निगाहें तेज करें और अपने देश, अपने राष्ट्र को सोने की चिड़ियां बनाकर पूरे विश्व में विशुद्धि का शंखनाद करें। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की लिखी भारतमाता की वन्दना में अपना स्वर सौहार्द्र करें-

जय-जय भारतमाता
तेरा बाहर भी घर जैसा रहा
प्यार ही पाता।

हर्षोल्लास से मनाया स्वाधीनता दिवस समारोह

उदयपुर के महाराणा भूपाल स्टेडियम में 72वां स्वाधीनता दिवस समारोह हर्षोल्लासपूर्वक आयोजित

हुआ। मुख्य अतिथि गृहमंत्री गुलाबचंद कटारिया ने राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगा' फहराया एवं परेड का निरीक्षण कर मार्च पास्ट की सलामी ली। गृहमंत्री ने समारोह में आए स्वाधीनता सेनानी, शहीदों के परिजन एवं लोकतंत्र रक्षकों का शॉल एवं श्रीफल से अभिनन्दन किया। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए 69 लोगों/संस्थाओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

कटारिया ने राज्य सरकार द्वारा उदयपुर में किए गये विकास कार्यों की जानकारी दी और कहा कि सम्मिलित प्रयासों के कारण उदयपुर आज विश्व पर्यटन के क्षेत्र में उत्कृष्ट स्थान पर है। उन्होंने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार ने उदयपुर क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के लिए पर्याप्त बजट व संसाधन उपलब्ध कराये है। स्मार्ट सिटी व अमृत योजना ने विकास को नई ऊंचाइयां दी है। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रशासन) चाँदमल वर्मा ने राज्यपाल के संदेश का पठन किया।

समारोह में सांसद अर्जुनलाल मीणा, जिला प्रमुख शांतिलाल मेघवाल, महापौर चन्द्रसिंह कोठारी, यूआईटी अध्यक्ष रवीन्द्र श्रीमाली, संभागीय आयुक्त भवानीसिंह देथा, पुलिस महानिरीक्षक विशाल बंसल, जिला कलक्टर बिष्णुचरण मल्लिक, जिला पुलिस अधीक्षक कुंवर राष्ट्रदीप, यूआईटी सचिव उज्ज्वल राठौड़, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कमर चौधरी, उपखण्ड अधिकारी गिर्वा लोकबंधु, आईएएस प्रशिक्षु श्रीनिधि बी.टी., अतिरिक्त जिला कलक्टर (शहर) राजेन्द्र अग्रवाल, सहित स्वाधीनता सेनानी ललित मोहन शर्मा, शहीद अर्चित वर्डिया की माताश्री श्रीमती बीना वर्डिया, शहीद अभिनव नागौरी के माता-पिता श्रीमती सुशीला एवं श्री धर्मचंद नागौरी, शहीद रतनलाल की धर्मपत्नी श्रीमती पुष्पा मीणा, स्वाधीनता सेनानी नारायण दास की धर्मपत्नी श्रीमती शांता खुराणा, सेनाओं के अधिकारी, समाजसेवी, गणमान्य नागरिक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

इस मौके पर परेड कमाण्डर एसडीआरएफ के सीसी राकेश कुमार के नेतृत्व में 19 विभिन्न टुकड़ियों ने परेड में भाग लिया एवं मार्च पास्ट की सलामी दी।

समारोह में मूक-बधिर उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने व्यायाम प्रदर्शन के दौरान हैरत अंगेज प्रदर्शन कर दर्शकों की तालियां बटोरी। समारोह में आरएमवी के 1075 छात्र-छात्राओं की देश प्रेम की धुनों पर आधारित व्यायाम प्रस्तुति भी सराहनीय रही।

इसी तरह संभागीय आयुक्त कार्यालय में संभागीय आयुक्त भवानीसिंह देथा, जिला कलक्टर कार्यालय में जिला कलक्टर बिष्णुचरण मल्लिक एवं सूचना केन्द्र में उपनिदेशक गौरीकान्त शर्मा ने ध्वजारोहण किया।

जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड-टू-बी विश्वविद्यालय)
NAAC Accredited 'A' Grade University
प्रतापनगर उदयपुर - 313001 (राजस्थान) फोनः 0294-2492441 फैक्स : 0294-2492440
E-mail : admissions@jrnrvu.edu.in
प्रवेश प्रारम्भ 2018-19

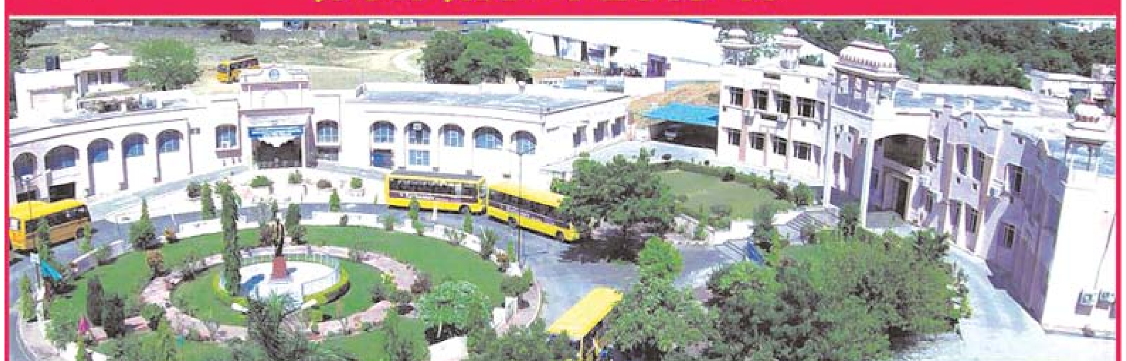

माणिक्यलाल वर्मा श्रमजीवी महाविद्यालय, फोन : 0294-2413029, 2410829
Faculty of Social Sciences & Humanities
स्नातकोत्तर ● एम.फिल. ● एम.ए. ● बी.ए. डिप्लोमा कोर्सेज : ● जी.आई.एस. एवं रिमोट सेन्सिंग ● प्रोफेशियेन्सी इन इंग्लिश एवं कम्युनिकेशन स्किल ● सर्टिफिकेट कोर्स-स्पोकन इंग्लिश ● B.J.M.C.
Faculty of Commerce , मोबाइल: 98290 77724
● एम.फिल. ● एम.कॉम. ● बी.कॉम ● डिप्लोमा कोर्सेज ● टेक्सेशन ● कम्प्यूटर बेसिक्स एवं एकाउन्टिंग
Faculty of Science
● B.Sc (Physics, Mathematics, Chemistry, Statistics, Compter Science, Botany, Zoology)
● M,Sc Chemistry (Inorganic, Organic, Physical, Industrial)
ज्योतिष विज्ञान विभाग
● एम.ए.-ज्योतिर्विज्ञान ● प्रमाण पत्र-भारतीय ज्योतिष एवं हस्तलेखा विज्ञान ● डिप्लोमा ज्योतिष एवं वास्तु ● पूजा पद्धती एवं कर्म काण्ड
सांयकालीन महाविद्यालय मोबाइल :94141 66432
● पीजी डिप्लोमा-गाइडेंस एवं कांउसलिंग ● एम.ए./एम.एस.सी ● एम.ए. ● एम.कॉम. ● बी.ए.बी.कॉम ● पी.जी. डिप्लोमा ● प्रमाण पत्र कार्यक्रम ● डिप्लोमा-कम्यूनिटी बेस्ड रिहेबीलेटेशन
डिपार्टमेन्ट ऑफ बिजनेस मैनेजमेन्ट स्टडीज (फोन 0294-2413548)
● बी.बी.ए. ● एम.आई.बी. ● मास्टर ऑफ एन.जी.ओ.मैनेजमेन्ट ● पी.जी.डिप्लोमा-ट्रेनिंग एवं डवलपमेन्ट
शारीरिक शिक्षा विभाग, मोबाइल : 9829943205, 93525 00445
● मास्टर इन फिज़िकल एजुकेशन ● MA (YOGA)
डिपार्टमेंट ऑफ लॉ मोबाइल : 9414343363, 9928246547
● एल.एल.बी. ● एल.एल.एम. ● पी.जी.डिप्लोमा इन फॉरेंसिक साइंस ● बी.ए.-एल.एल.बी. ● पी.जी.डिप्लोमा इन लेबर लॉ ● साइबर लॉ में प्रमाणपत्र कार्यक्रम
डिपार्टमेन्ट ऑफ फिजियोथैरेपी (फोन : 0294-2656271, मोबाइल : 8952809766)
● मास्टर ऑफ फिजियोथैरेपी ● बेचलर ऑफ फिजियोथैरेपी
फैकल्टी ऑफ कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंफोरमेशन टेक्नोलॉजी (फोन : 2494227, 2494217, मोबाइल : 9887285752)
● MCA ● M.Sc. (Computer Science) ● PGDCA ● BCA ● MCA (Lateral Entry)
फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी मोबाइल : 9829009878 फोन : 0294-2490210
● Diploma -सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रोनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइन्स एवं इंजीनियरिंग
इंस्टीट्यूट ऑफ राजस्थान स्टडीज़ (साहित्य संस्थान) (फोन 0294-2491054)
● M.A.-प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विज्ञान (Archaeology)
● PG Diploma - पुरातत्व विज्ञान (Archaeology) ● सर्टिफिकेट कोर्स- फ्रेंच/जर्मन लेंग्वेज
उदयपुर स्कूल ऑफ सोशियल वर्क (फोन 0294-2491809)
● (MSW) ● पी.जी.डिप्लोमा- HRM ● NGO मैनेजमेंट
डायरेक्ट्रेट ऑफ जनशिक्षण एवं विस्तार कार्यक्रम (फोन : 2490723)
फैकल्टी ऑफ एजुकेशन
लोक मान्य तिलक टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, डबोक (फोन 0294-2655327, 2657753)
● एम.फिल ● एम.एड ● एम.ए.(एजुकेशन) ● बी.एड. ● बी.ए-बी.एड./इंटीग्रेटेड ● बी.ए. (बाल विकास) ● डी.एल.एड ● एम.पी.एड. ● बी.एड.-एम.एड. (इंटीग्रेटेड)
कन्या महाविद्यालय, डबोक (फोन : 0294-2655327, 9414812900)
● B.A. ● B.Com. ● B.Sc. ● MA. ● M.Com
आर.वी.होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पीटल, डबोक (फोन : 0294-2655974, 2655975, मोबाइल : 09414156701, 09351343740)
● बेचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन एण्ड सर्जरी (BHMS)
फैकल्टी ऑफ मैनेजमेन्ट स्टडीज (एफ.एम.एस.) फोन 0294-3296232, 2490632
● MBA ● MHRM
उपरोक्त पाठ्यक्रमों हेतु अधिक जानकारी तथा न्यूनतम अंक, फीस आदि के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाईट देखें
www.jrnrvu.edu.in

एनएसएस में ध्वजारोहण

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान के हिरण मगरी स्थित मानव मन्दिर में स्वाधीनता दिवस पर संस्थापक पद्मश्री कैलाश 'मानव' ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। बलीचा स्थित निराश्रित बालगृह में संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने ध्वजारोहण किया। दोनों ही स्थानों पर दिव्यांग एवं मूक-बाधिर बालको ने रंगारंग प्रस्तुतियां दी। सेवा महातीर्थ बड़ी में भी तिरंगा फहराया गया।

पीएमसीएच में झंडारोहण

उदयपुर। भीलों का बेदला स्थित पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पीटल में स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। वाइस चॉसलर डॉ. डी. पी. अग्रवाल ने झण्डारोहण किया। इस अवसर पर प्रिंसिपल एवं नियंत्रक डॉ. ए. पी. गुप्ता, डेन्टल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. रविकुमार सहित सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, एमबीबीएस, डेन्टल एवं नर्सिंग के विद्यार्थियों के साथ स्टाफ भी उपस्थित था। इस अवसर पर पेसिफिक मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों ने पहाड़ी की चोटी पर जाकर तिंरगा लहराया और मोटर साइकिल रैली निकाल कर देशभक्ति का संदेश दिया।

जे.के.टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड
जेकेग्राम, कांकरोली (राज.)
स्वाधीनता दिवस
के शुभ अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं
JK TYRE & INDUSTRIES LTD.

शब्द रंजन

उदयपुर, बुधवार 15 अगस्त 2018

सम्पादकीय

जारी है स्वाधीनता की लड़ाई

लग रहा है, स्वाधीनता की लड़ाई हम आज भी लड़ रहे हैं। रस्सी जल जाने पर उसकी ऐंठ बनी रहती है। भोभर में डटी आग कभी भी प्रज्वलित हो उठती है इसीलिए हमारी सीमाओं पर हमारे जवान डटे हुए हैं। वे एक-एक क्षण को अपनी पैनी निगाहों का पोइंट बनाये सजग चौकसी कर रहे हैं। उनके जज्बे को हम सबकी सलामी है।

लेकिन बाकी बची आजादी के मन में उस जज्बे का प्रकाश नहीं लगता। अपने-अपने कामकाज, व्यापार, वाणिज्य, उद्योग-धन्धे, शोधानुसंधान, खोज खबर, रचना कर्म, राज धर्म तथा दायित्व बोध में कठोर कर्मशील, साधक आराधक तथा सच्चे सपूत की भूमिका का सच्चाई ईमानदारी तथा नैतिकतापूर्ण निर्वाह करना होगा।

हमें अपनी जिम्मेदारी को समझना होगा। सूर्य किसी को नहीं कहता कि मैं आ रहा हूं। फूल किसी को नहीं कहता कि मैं खिल रहा हूं। नदी किसी से नहीं कहती कि मैं बह रही हूं। अपनेआप चिड़ियां चहकती है। कोयल कूकती है। पतझड़ होता है। बसन्त आता है। वृक्ष फल देते हैं। बन्दर किलकारी मारते हैं। शेर दहाड़ देता है। सुस्त कोई नहीं रहता।

हमारे हर हाथ में तिरंगा हो। तिरंगा हमारे दिल में, हमारे मन में तथा हमारे जज्बे में हो। प्राण-प्राण में हो ताकि हममें उसकी आन बान और शान बनी रहे। वह इतना दूर भी न हो कि हमारी पहुंच ही न रहे। इतना ऊंचा भी न हो कि हमारी निगाह ही उसे देख न सके।

पन्द्रह अगस्त आता रहेगा और हमें अपने आत्म-विश्लेषण के लिए प्रेरित करता रहेगा। इस अवसर पर हम उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों, शहीदों, भागीदारों, तपस्वियों, सिद्ध साधकों तथा अज्ञात जुझारुओं को नमन करें जिन्होंने अपने तन-मन के साथ सर्वस्व समर्पण अर्पण कर दिया और उन्हें भी जिन्होंने अज्ञात ही रहना कबूला किन्तु उनकी बलवती भावनाओं का जो योगदान रहा वह अदृश्य ही सही, अमिट बना हुआ है।

जय भारत! जय-जय भारत!

स्वच्छ भारत खातर कागळा री पूछ

'अरे कान्या! ओरे मान्या! कई हालतांई ऊंची मंडी में आड़ामोड़ा खाइर्‌यो है। देख ऊंचो नाळ। सूरज बावजी ललाट माथै आइग्या है।'

'आज राम जाणे आंख्यां ऊंची नी व्हेरी है। तीन दाण उठवा रो उपकरम कीधौ पण उठणी नी आई।' मान्यो बोल्यो।

कान्यो-'आज कण्डो मूण्डो देख्यो म्हैं जो मूंझांकराऊंई कागळा कर....र....र कांव-कांव कर आपस री जगां एक-दूजा नै चोंचा मार रिया है।'

मान्यो-'कागळा रा भाग तो किसन म्हाराज रै जमानाऊं चेतग्या हा जदी वी क्रस्णजी रै हाथां मूं झपटो दै रोटी लेग्या। माड़साब भणावतां-भणावतां गावणी बोल्या हा- 'काग रै भाग रौ कांई कैवां हरि हाथ सूं लैग्यो माखण रोटी।'

कान्यो- 'या वात को घणी पुराणी वेइगी बाबूड़ा। नवी वात और आछी सुणवा में आई।'

मान्यो-'वा कई है रै लंगोट्या। फैर कागळा कई करामात कीधी। पंखेरू मांय कागळा घणा कबदी गिण्या जावै।'

कान्यो- 'सतजुग री वात है। लोमड़ी रै भभकावा में एक कागळो आइग्यो जदी वो आपरी तारीफ में फूल नै कुप्पो वेइग्यो। वंडे मूण्डा में आखी रोटी ही। राजी वै मूण्डो खोल्यो तो रोटी नीचै पड़गी। लोमड़ी चालाकी में वंडी रोटी दबाय भागगी। कागळो मूण्डो नानोक कर रोवतो रेइग्यो।'

मान्यो- 'चतर कागळो कदीकदाक गावै। बाकी तो आछा-आछा नै भोंट खैलाय दै। वो ठगावा वारो जीव नी है।'

कान्यो- 'थारो केणो बरोबर है। थूं वा खबर तो वताव। आगतो-आगतो, कायो-कायो आयो नै मने जगायो पण वातां रो लपारसी। वा वात कई है।'

मान्यो-'चोखी याद दिलाई। खबर या है कै अबै कागळा रा भाग जागेगा।'

कान्यो - 'जागणाई चावै। मोदीजी सगळा नै जगायरिया है। सगळा साथै कर सबरो विकास करणै रो वां नारो भी दीधो है।'

मान्यो- 'फ्रांस मांय बगीचा री साफ सफाई खातर कागळा री सेवा लैवण रो तै कीधो है। छै कागळा रा भाग चमकेगा।'

कान्यो -'मिनख कामचोर वेइग्या तो वणारो भरोसो उठग्यो। आपणे अठेई आदमी रो इमान धरम घटग्यो। आछा काम करण री जग्यां वो लूटखसोट, तस्करी, बेईमानी, भपट्टामार, लज्जाहरण, भ्रस्ट आचरण ने केई दूजा काम करण लागग्यो। अस्यो जमानो पैली कदी नी हो।'

मान्यो- 'फ्रांस मांय वी कागळा पारक री जमीन स्यूं सिगरेटां रा ठूंठ्या नानो-नानो कचरो बीण-बीण कूड़ादाण मांय एकठो करेगा।'

कान्यो- 'घणी चोखी खबर सुणाई। अठै तो कागळा री जात धीमी मंदरी पड़गी। मोदीजी यो अभियाण चलावे तो कागळा री घटती नसल भी पनपेगी नै वांरी स्वच्छ भारत री कळपना भी साकार हुवेली।'

तीन खण्डों में पं. ताऊ शेखावाटी का समग्र साहित्य

राजस्थानी के मंचीय कवियों में सर्वाधिक ख्यात वे तीन कवि प्रधानतः मेरे ध्यान में हैं जिन्होंने पूरे देश में लम्बे समय तक अपनी कविताओं से श्रोताओं को रस-सिक्त किया। उनमें से एक गजानन वर्मा स्मृतिशेष हैं। शेष दो कवियों में एक पं. ताऊ शेखावाटी तथा दूसरे माधव दरक हैं। इनमें सर्वाधिक रचनाओं के धनी पं ताऊ शेखावाटी हैं जिन्होंने हमारे देश में ही नहीं, विदेश में भी अपनी राजस्थानी रचनाओं द्वारा स्मरणीय यश फैलाया।

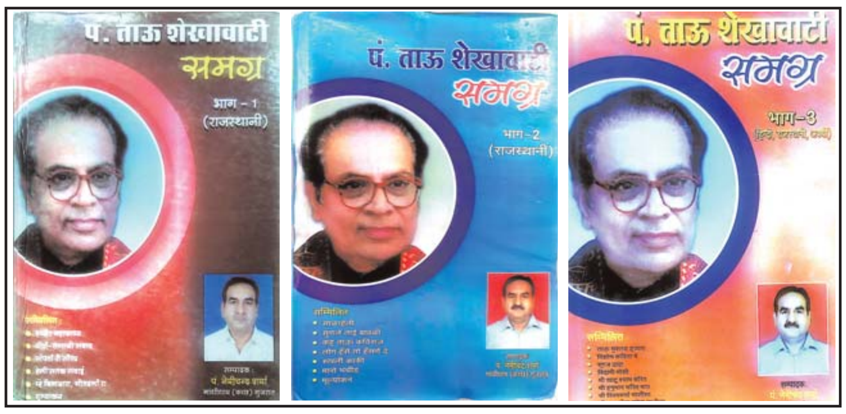

मेरा इन तीनों कवियों से भलीप्रकार परिचय रहा है। पहलीबार गजानन वर्मा को मैंने पढ़ाई के दौरान 1957 में बाकानेर के डूंगर कॉलेज में सुना जब मैं बी. ए. का विद्यार्थी था। उनकी कविताओं में हमारी धरती की, खासतौर से रेगिस्तानी इलाके की वे मोहक धुनें थीं जो इन्द्रधनुषी आभा लिये उनके गले में गहराई हुई थीं।

बाजरा री रोटी तथा धुनक धुन धुनरे पिनारा जैसी कविताएं वे जब गाते तो उनकी स्वर-लहरी के साथ-साथ धन्तुरे जैसी धुनक भी उनकी शब्द-माधुरी को संगत दिये रहती थी। उनकी गूंज देती गायकी के साथ कविता का एक-एक शब्द जैसे ढोलक की थाप पर उस नटनी की तरह लगता जो अपने दोनों हाथों में दो गोले तथा एक गोला हवा में रखकर तीनों को बारी-बारी से चकराती हुई विस्मित कर देती है। ऐसे ही वर्माजी अपने कंठ से कविता के एक-एक शब्द को धुनित किये रसीला बनाते लगते थे। उनकी कविताई धुन का बजाव सुन जैसे कोई उनके साथ त्वरित-स्वरित हो रहा है, ऐसा आभासित होता।

बाद में भी मैं कई बार उनसे मिला। कलकत्ता जब मुझे भारतीय भाषा परिषद में डॉ. प्रभाकर माचवे ने राजस्थानी लोकगीतों पर व्याख्यान देने बुलाया तब वर्माजी अलग से मुझसे मिलने आये थे जहां मैं अपने मित्र के समधी के घर ठहरा हुआ था। अन्तिम बार बीकानेर में श्री उपध्यानचंद कोचर मुझे मिलाने उनकी बेटी के घर ले गये। वे तब कैंसर से घबराये हुए थे। अस्पताल ले जाये जा रहे थे और उनमें अधिक बेचैनी व्याप्त थी। उनकी 'धरती री धुन' तथा 'सोनो निपजै रेत में' काव्य पुस्तकें जो उन्होंने मुझे भेंट करीं, मेरे पास सुरक्षित हैं।

माधव दरक हमारे मेवाड़ के कुंभलगढ़ के रहने वाले हैं। उनसे मेरा पांच दशक पुराना सम्पर्क है। उदयपुर से ही उनका अधिकतर जहां-वहां जाना होता है। वे जब भी मिलते हैं, कवि गोष्ठी ही हो जाती है। उनकी 'एड़ो म्हारो राजस्थान' तथा 'वो परताप कठै' कविताएं आज भी धूम मचा रही हैं। प्रताप वाली कविता तो मोबाइल की रिंग टोन ही बनी हुई है। स्कूलों, कॉलेजों में भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों में इस कविता के साथ कई तरह के मोहक नृत्य बहार लिये बड़ाई लेते रहते हैं।

पं. ताऊ शेखावाटी की रंगत इन दोनों से भिन्न है। उनकी कविता में हास्य-व्यंग्य का प्राधान्य मिलता है और कथन का लहजा भी कई भावों के कई रंग बुनता गुदगुदाता है। उन्होंने साहित्य की हर विधा में अपनी रचनाशीलता का लोहा दिया है। उनकी काव्य-भाषा प्रख्यात गढ़ रणथंभौर के इलाके की है। वहां के गणपति बड़ा नाम लिये हैं जो विवाह पर सबसे पहले याद किये जाकर स्थापित होते हैं और हर वैवाहिक काज निर्विघ्न पूरा करते हैं।

लोकजीवन में रणथंभौर बड़ा क्लिष्ट उच्चारण होने के कारण रणत भंवर नाम लिये है। किले की दीवारों पर अटी खोखलों में हजारों तोतों का वास सदा-सर्वदा ही सबको लुभाये रहता है। ये तोते भी बड़े प्रसिद्ध हैं जो अन्य तोतों से अलग हैं।

राजस्थानी भाषा में ताऊ शेखावाटी ने सर्वाधिक लिखा। कवि सम्मेलनों में सर्वाधिक चर्चित कविताओं में साळहेली, सुणले ताई बावळी तथा कह ताऊ कविराज नामक तीनों ही कृतियां हास्य-व्यंग्य प्रधान हैं जो पुरस्कृत हैं। मीरां राणाजी संवाद नामक संवाद-काव्य है। नीतिपरक हेली सतसई सवाई हेली सम्बोधनपरक काव्य है। ऐसे ही म्हे बिणजारा गीतड़लांरा उनके गीतों का संग्रह है। रूपली काकी में उनकी लिखी कहानियां हैं। ऐसा ही संग्रह बालकथाओं का मारो भचीड़ है।

हिन्दी में लिखा उनका बिदामी मौसी उपन्यास बहुत चर्चित रहा। सूरज दादा नाम से बाल कविताएं लिखीं और ताऊ मुक्तक हजारा में एक हजार आठ मुक्तकों का संग्रह दिया। हिन्दी राजस्थानी के अलावा पं. ताऊ शेखावाटी ने अवधी भाषा में श्री खाटू श्याम चरित एवं हनुमान चरित पाठ नित्यपाठ कृतियां लिखीं जिनकी अब तक 30-40 हजार प्रतियां निशुल्क वितरित की जा चुकी हैं। इसी प्रकार श्री खाटू श्याम चालीसा, श्री रणत भंवर त्रिनेत्र गणेश चालीसा एवं श्री विश्वकर्मा चालीसा जैसे चालीसा काव्य लिखे।

प्रस्तुत ग्रन्थ के तीन भागों में से पहले तथा दूसरे भाग में राजस्थानी कृतियां सम्मिलित हैं। पहले भाग में सम्मिलित पांच कृतियों में हम्मीर, मीरां राणाजी संवाद, सोरठां री सौरभ, हेली सतक सवाई तथा म्हे बिणजारा कृतियां संकलित हैं।

दूसरे भाग में साळहेली, सुणले ताई बावळी, कह ताऊ कविराज, रूपली काकी, मारो भचीड़ कृतियां दी गई हैं। तीसरा भाग हिन्दी-राजस्थानी कृतियों में ताऊ मुक्तक हजारा, विक्षोभ कविता में सूरदादा, बादामी मौसी, चरित काव्य में श्री खाटू श्याम तथा हनुमान चरित एवं चालीसा काव्य में खाटू श्याम, विश्वकर्मा तथा रणत भंवर त्रिनेत्र सम्मिलित हैं।

इनका सम्पादन पं. नेमीचंद शर्मा ने बड़े मनोयोग से किया है। प्रत्येक भाग के प्रारम्भ में शर्माजी द्वारा कृतियों का संश्लिष्ट तथा सटीक मूल्यांकन किया गया है जिससे पं. ताऊ शेखावाटी के रचनाकर्म पर पर्याप्त एवं प्रामाणिक प्रकाश पड़ता है। प्रत्येक भाग सजिल्द लगभग-लगभग सात सौ पृष्ठ लिये है। हर भाग का मूल्य 750 रूपया है। ये भाग गीता प्रकाशन, 32 जवाहरनगर, सवाई माधोपुर से प्रकाशित हैं। **- म.भा.**

पत्र-पिटारी

मण्डावा कस्बे के वरिष्ठ साहित्यकार केसरीकान्त शर्मा 'केसरी' के यहां आने वाले आपके पाक्षिक समाचार-पत्र 'शब्द रंजन' के हर अंक का मैं उनके सौजन्य से नियमित पाठक हूं।

अन्य चार पेजी-आठ पेजी लघु पत्रों के प्रकाशन जहां खानापूर्ति की औपचारिकता करते हैं, वहीं 'शब्द रंजन' उच्च स्तरीय पत्र है जिसमें विद्वानों के ज्ञानवर्धक लेख, सांस्कृतिक, साहित्यिक गतिविधियों की जानकारी, प्रेरक व्यक्तियों की साधना की जानकारी आदि से पाठक का बौद्धिक क्षितिज वृहद बनता है।

15 मई 2018 के अंक संख्या 9 में आपका प्रेरणादायी लेख 'बच्चों को बस्ते का बोझा नहीं.......' पढ़कर मैं भावाभिभूत हुआ। हमारे कस्बे के तीन दर्जन प्राइमरी, माध्यमिक, उच्च माध्यमिक स्कूलों में मैंने इस लेख की जेरोक्स कापियां देकर इन सुझावों पर अमल करने का व्यक्तिगत रूप से मिलकर निवदेन किया है। कुछ स्कूल प्रधानों ने छात्रों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास हेतु आपके सुझावों के क्रियान्वयन का वादा किया है। ऐसे रचनात्मक कार्य के आप निमित्त प्रेरक बने, इस हेतु हार्दिक अभिनंदन।

-हरिराम शर्मा 'हरि', मण्डावा

हिन्दुस्तान जिंक में ध्वजारोहण

हिन्दुस्तान जिंक के प्रधान कार्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह के मुख्य अतिथि मुख्य प्रचालन अधिकारी पंकजकुमार ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। उन्होंने कहा

कि देश ने ढेर सारी उपलब्धियां अर्जित की हैं। लोकतंत्र मजबूत हुआ है और संसद में आमजन की नुमाइंदगी बढ़ी है। हाशिए पर खड़े लोग मुख्यधारा में आए हैं और संविधान ने वंचित लोगों को समानता और स्वतंत्रता के अधिकारों से लैस किया है। हेड-कार्पोरेट कम्यूनिकेशन पवन कौशिक ने सामाजिक कल्याण, ग्रामीण उत्थान, पर्यावरण संरक्षण एवं सुरक्षा, के प्रति जिंक की कटिबद्धता का संकल्प दुहराया।

सुनील दुग्गल फीमी के नए अध्यक्ष

फेडरेशन ऑफ इंडियन मिनरल इंडस्ट्रीज (फीमी) ने जिंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनील दुग्गल को नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। श्री दुग्गल वर्तमान में इण्टरनेशनल जिंक एसोसिशन के उपाध्यक्ष, फिक्की अलौह धातु समिति 2018 के सह-अध्यक्ष तथा इण्डियन लेड-जिंक डवलपमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष भी हैं।

श्री दुग्गल ने कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक को 'मेक इन इंडिया' विजन को ध्यान में रखकर लक्ष्य प्राप्त करना है। जमीन के ऊपर कृषि और नीचे खनिज हैं। खनिज किसी भी देश के लिए प्राकृतिक संसाधन हैं। अगर भारत को दो अंकों की वृद्धि हासिल करनी है तो खनिज क्षेत्र के योगदान को 7-8 प्रतिशत तक लाना होगा।

वस्तु एवं सेवा कर के लिए जिंक सम्मानित

राज्य वस्तु एवं सेवा कर जी.एस.टी. लागू होने के प्रथम वर्ष में जिले में सर्वाधिक दायित्व घोषित किये जाने एवं देय कर व मांग का लक्ष्य नियमित रहने के लिए गृहमंत्री गुलाबचन्द कटारिया ने स्वतंत्रता दिवस समारोह में जिंक को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया जिसे महाप्रबन्धक एण्ड हेड-अप्रत्यक्ष कर वी. वी. नन्दावत ने ग्रहण किया।

उल्लेखनीय योगदान के लिए पत्रकार सम्मानित

पत्रकारिता में उल्लेखनीय योगदान के लिए न्यूज 18 राजस्थान से जुड़े सतीश शर्मा एवं दैनिक भास्कर से जुड़े अमित राव का स्वाधीनता दिवस समारोह में सम्मान करते गृहमंत्री गुलाबचंद कटारिया।

चित्तौड़गढ़ के युवा पत्रकार पीयूष मूंदड़ा को सम्मानित करते यूडीएच मंत्री श्रीचंद कृपलानी।

विद्यापीठ में ध्वजारोहण

जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय में स्वाधीनता दिवस समारोह कुलाधिपति हरीशचन्द्र पारख, कुलपति प्रो. एस.एस.

सारंगदेवोत ने ध्वजारोहण किया। विशिष्ट अतिथि कुल प्रमुख भंवरलाल गुर्जर थे। उद्बोधन ने प्रो. सारंगदेवोत ने कहा कि समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार, महंगाई, आतंकवाद, अलगाववाद, महिला उत्पीड़न आदि को खत्म कर देश में एकता अथवा अखण्डता की भावना लानी होगी । इस हेतु युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है।

ऑनलाइन हेल्थकेयर सेक्टर उम्मीद भरा

उदयपुर। युनाइटेड नेशंस पॉपुलेशन फंड की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 60 साल से अधिक की आयु वर्ग के लोगों की संख्या 2011 में 100 मिलियन से बढ़कर 2050 तक 300 मिलियन हो जाएगी। बढ़ती उम्र के साथ बिगड़ता स्वास्थ्य बड़ी उम्र के ज्यादातर लोगों के लिए प्रमुख चिंताओं में से एक है और लोगों की सेहत में यह परिवर्तन ही भारत में स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं की मांग को और आगे बढ़ा सकता है। एमहेल्थ सेवा प्रदाता, मेरापैशेंट ऐप के संस्थापक और अध्यक्ष मनीष मेहता ने कहा कि फिलहाल भारत में हेल्थकेयर सेक्टर ठीक है। सरकार बड़ा सोच रही है और इस क्षेत्र का समग्र दृष्टिकोण हासिल करने में जुटी है। इधर, निवेशकों की और से ई-फार्मा कंपनियों में रूझान बढ़ता जा रहा है। ई-हेल्थकेयर में ऑनलाइन चिकित्सा परामर्श, ऑनलाइन चिकित्सा रिकॉर्ड, दवाओं की ऑनलाइन आपूर्ति और देशभर में रोगियों की जानकारी को साझा करना प्रमुख रूप से, ई-हेल्थकेयर उद्योग को लंबे समय तक कायम रख सकते है। प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली को मजबूत करने के लिए केंद्रीय स्तर पर सरकार की तरफ से उठाए गए कदमों के साथ सरकार ने प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को ग्रामीण इलाकों तक पहुंचाने के लिए कई योजनाएं और कार्यक्रम शुरू किए हैं।

शकुंतला पंवार को 'श्रेष्ठ कला आचार्य' अलंकरण

उदयपुर। लोकनृत्यों के शिक्षण-प्रशिक्षण की सुविज्ञ संस्था

शाकुंतलम् की संस्थापक शकुन्तला पंवार को भोपाल में वहां की मधुवन संस्था द्वारा गुरु वन्दना महोत्सव पर 'श्रेष्ठ कला आचार्य अलंकरण' से विभूषित किया गया।

मधुवन के निदेशक पं. सुरेश तांतेड़ के अनुसार समारोह में मध्यप्रदेश के राजस्व मंत्री श्री उमाशंकर गुप्ता ने भव्य वाग्देवी की प्रतिमा तथा सम्मानपत्र प्रदान किया। अध्यक्षता वरिष्ठ लेखक रमेश दवे तथा विशेष अतिथि पत्रकार महेश श्रीवास्तव थे। कार्यक्रम के दौरान श्रीमती शकुंतला द्वारा प्रशिक्षित छह वर्षीय बालिका हीर सिसोदिया द्वारा भवाई नृत्य देख सारे दर्शक मंत्रमुग्ध हो गये। हीर ने इस दौरान कभी सिर पर ग्यारह मटके रख, कभी चार बोतलों पर, कभी चुभती कीलों और कांच के टुकड़ों पर तो कभी पांवों से थाली को चक्करघिनी देते हुए मनोहारी भावभंगिमाओं से अपने भवाई को कई दृष्टियों से भव्य एवं दिव्य बना दिया। इसका परिणाम यह रहा कि

करतल ध्वन के बीच हीर का भी मंच पर विशेष सम्मान किया। अपने उद्बोधन में राजस्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता ने कहा कि मधुवन ने अपने 48 वर्षीय अलंकरण समारोह में देश के उन शीर्षस्थ ख्यातलब्ध मनीषियों को सम्मानित कर भारतीय ऋषि परम्परा के गौरव को चरितार्थ कर अन्यों के लिए भी अनुकरणीय कार्य किया है।

पं. तांतेड़ ने बताया कि इस समारोह में शीर्षस्थ लोकनृत्य गुरु शकुंतला पंवार के अलावा साहित्यकार इन्द्रप्रकाश कानूनगो, ध्रुपद एवं हवेली संगीत गायक डॉ. लव-कुश चतुर्वेदी बंधु, रंगकर्मी ललितकिशोर मिश्रा, संगीत समीक्षक विजयशंकर मिश्र, चिकित्सक डॉ. एन. पी. मिश्रा एवं शिक्षाविद् डॉ. छायाराय को सम्मानित कर मधवुन परिवार स्वयं सम्मानित हुआ है।

अलर्ट के अध्यक्ष मेहता सम्मानित

सोफिया सीनियर हायर सैकण्डरी स्कूल, सुन्दरवास में स्वतंत्रता दिवस समारोह पर मुख्य अतिथि अलर्ट संस्थान के अध्यक्ष जितेन्द्र मेहता ने ध्वजारोहण किया। समारोह में स्कूल के निदेशक जगदीश शर्मा एवं प्राचार्य डॉ. आशुतोष दाधीच ने जितेन्द्र मेहता को शिक्षा, पर्यावरण, जल संरक्षण एवं महिला सशक्तिकरण में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया। विशिष्ट अतिथि नगर निगम की सांस्कृतिक समिति के अध्यक्ष जगदीश मेनारिया तथा नंदलाल जोशी उपस्थित थे।

प्रो. सारंगदेवोत बने वाइस चांसलर एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष

उदयपुर। जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय) के कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ वाइस चांसलर एवं एकेडमिशन्स के कार्यकारी अध्यक्ष निर्वाचित किए गए। उन्होंने बताया कि नई दिल्ली में आयोजित एसोसिएशन के समारोह में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इस दौरान केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय के राज्यमंत्री डॉ. सत्यपाल सिंह द्वारा एकेडमिक अवेकनिंग नामक त्रैमासिक पत्रिका का विमोचन किया गया। पत्रिका के मुख्य सम्पादक प्रो. सारंगदेवोत ने बताया कि पत्रिका में यूजीसी, एआईसीटी, एमएचआरडी द्वारा उच्च शिक्षा में किये गये निर्णयों, नियमों, उपनियमों की क्रियांविति के बारे में समीक्षात्मक विवरण प्रस्तुत किए गए हैं।

गोल्डन बुक में सक्का द्वारा निर्मित 'तिरंगा'

उदयपुर। शहर के स्वर्ण शिल्पकार इकबाल सक्का द्वारा सोने से निर्मित 0.5 मिमी आकार का राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगा' की कलाकृति गोल्डन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज की गई है।

गोल्डन बुक के प्रबंधक माइकल चीयर ने इसे विश्व का सबसे छोटा राष्ट्रीय ध्वज बताते हुए यूएसए कार्यालय की ओर से सक्का को प्रमाण पत्र, टी-शर्ट, दो वाहन स्टीकर एवं बैच प्रेषित किए हैं। सक्का ने बताया कि इस कलाकृति को 12 नंबर की सुई के छेद से निकाले जाने के साथ सूक्ष्मदर्शी लेन्स से देखा जा सकता है।

लैंड रोवर रग्बी वर्ल्ड कप 2019 का विश्वव्यापी पार्टनर

उदयपुर। वर्ष 2019 रग्बी वर्ल्ड कप ट्रॉफी, वेब एलिस कप 6 महीने के वर्ल्ड टूर के बाद भारत पहुंच चुका है। यूरोप और एशिया में कई देशों का भ्रमण करने के बाद, यह ट्राफी नई दिल्ली और आगरा से होते हुये मुंबई पहुंची। इसके बाद जापान जाने से पहले यह भुवनेश्वर का रुख करेगी। लैंड रोवर रग्बी वर्ल्ड कप का 2011 से गौरवान्वित पार्टनर रहा है और एक बार फिर यह 2019 के संस्करण के लिए भी दुनिया के अग्रणी रग्बी टूर्नामेंट का हिस्सा है।

रोहित सूरी, प्रेसिडेंट एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, जगुआर लैंड रोवर इंडिया लि. (जेएलआरआइएल) ने कहा कि हमें बेहद खुशी है कि रग्बी वर्ल्ड कप ट्रॉफी भारत का टूर कर रही है। लैंड रोवर का रग्बी के साथ सहयोग लगभग दो दशकों से खेलों के साथ मजबूत साझा मूल्यों और समद्ध धरोहर से बंधा हुआ है। लैंड रोवर दुनिया भर में ग्राहकों एवं प्रशंसकों को दुनिया के तीसरे सबसे बड़े खेल कार्यक्रम-रग्बी वर्ल्ड कप 2019 से जुड़ने का अवसर प्रदान करेगा। भारत रग्बी वर्ल्ड कप ट्रॉफी टूर का आठवां लेग है और यह 18 देशों की यात्रा करेगा जिसकी शुरूआत फरवरी में उरुग्वे में हुई थी और अंत में सितंबर 2019 में इसका समापन जापान में होगा। 2019 रग्बी वर्ल्ड कप 20 सितंबर से 2 नवंबर 2019 तक खेला जायेगा और इसमें 20 देश हिस्सा लेंगे जोकि जापान में 12 स्टेडिया में 48 मैच खेलेंगे।

100 से अधिक ब्रेस्टफीडिंग बूथ स्थापित

उदयपुर। माँ एवं शिशु की देखभाल में निशुल्क सेवाएं प्रदान करने वाली एनजीओ, महावीर इंटरनेशनल फाउंडेशन ट्रस्ट के सहयोग से हिमालया ड्रग कंपनी ने राजस्थान में ब्रेस्टफीडिंग बूथ स्थापित किए हैं। माताओं को स्तनपान की जगह की कमी के कारण, हिमालया ने जयपुर और उसके आस पास 20 से अधिक सेंटर स्थापित किए हैं और यह राजस्थान में जल्द ही ऐसे 80 से ज्यादा सेंटर स्थापित करेगी।

हिमालया बेबीकेयर एवं फॉर मॉम्स के बिज़नेस हेड, एनवी चक्रवर्ती ने कहा कि हमें महावीर इंटरनेशनल फाउंडेशन ट्रस्ट के साथ सहयोग करने की खुशी है। यह ट्रस्ट माँ एवं शिशु की देखभाल सेवाए निशुल्क प्रदान करता है। हमने मिलकर राजस्थान के 15 से अधिक शहरों में रेलवे और बस स्टेशनों पर स्तनपान बूथ स्थापित किए हैं। इन शहरों में उदयपुर, अजमेर, जयपुर, किशनगढ़, बिजाईनगर एवं पुष्कर शामिल हैं। ये आत्म-निहित बूथ माताओं को निजी व एकांत स्थान उपलब्ध करातें हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के अनुसार, विश्व में छह माह से कम उम्र के केवल 40 प्रतिशत शिशुओं को ही स्तनपान कराया जाता है। स्तनपान के फायदे जीवनभर चलते हैं तथा बच्चे का शारीरिक एवं मानसिक विकास सुनिश्चित होकर जीवनभर उसकी सेहत अच्छी रहती है। आज हमें मॉल, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट आदि सार्वजनिक स्थानों पर स्तनपान की व्यवस्था करने की जरूरत है, जहां महिलाएं आरामदायक महसूस कर सकें।

बेस्ट प्रि-स्कूल चेन ऑफ द ईयर-ज्यूरी'ज चॉइस अवार्ड

उदयपुर। प्रि-स्कूल्स की एक अग्रणी और उत्कृष्ट चेन लिटल मिलेनियम को उदयपुर में आयोजित स्कून्यूज ग्लोबल एजूकेटर्स फेस्ट 2018 में प्रतिष्ठित बेस्ट प्रि-स्कूल चेन ऑफ द ईयर-ज्यूरी'ज चॉइस अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रमन बजाज ने कहा कि हम भले ही बदलाव के दौर में हैं और हर कदम पर कई चुनौतियां मौजूद हैं, लेकिन इस बात को नजरअंदाज नहीं कर सकते है कि शिक्षा ही है जो हमें कच्ची उम्र से विकसित करती है और आकार देती है।

पुरस्कार मेवाड़ राजघराने की निवृत्ति कुमारी मेवाड़ ने लिटल मिलेनियम एजूकेशन प्रा. लि. के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रमन बजाज को प्रदान किया। स्कून्यूज ग्लोबल एजूकेटर्स फेस्ट 2018 सम्मेलन नई नीतियों के लिए भारत का सबसे पसंदीदा एवं समर्थ ब्रेनस्टॉर्मिंग केन्द्र है। स्कून्यूज ग्लोबल एजूकेटर्स फेस्ट 2018 सम्मेलन में 500 से अधिक शिक्षा अग्रेताओं ने हिस्सा लिया और शिक्षा के क्षेत्र में नई नीतिगत पहलों और विचारों पर जमकर चर्चा की।

इसकी बदौलत हम चुनौतियों का आसानी से पूरे साहस एवं धैर्य के साथ समाधान कर पाते हैं। बच्चों की जिंदगी में उम्र के शुरूआती वर्ष सबसे महत्वपूर्ण वर्ष होते हैं। पिछले दस सालों में लिटल मिलेनियम की यात्रा बेहद अच्छी और जानकारी भरी रही है। हमने 100 शहरों में 600 से अधिक प्रिस्कूल स्थापित किये। सबसे महत्वपूर्ण क्वालिटी, फैकल्टी, आधारभूत संरचना, कोर्सवेयर, सुरक्षा के नजरिये से काफी प्रगति की है।

स्कॉलरशिप प्रोग्राम का 10वां संस्करण लॉन्च

उदयपुर। कोलगेट-पामोलिव (इंडिया) लि. ने अपना सालाना कोलगेट स्कॉलरशिप प्रोग्राम लॉन्च किया। इस कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में 500 से अधिक बच्चे एक लाख रुपये तक की स्कॉलरशिप का लाभ उठा सकते हैं। ऑफर पैक खरीदने वाले हरेक उपभोक्ता को बाइजू'स लर्निंग ऐप का एक महीने का फ्री सब्सक्रिप्शन भी मिलेगा।

कोलगेट पामोलिव (इंडिया) लि. के प्रबंध निदेशक ईसाम बछलानी ने कहा कि कोलगेट में हर बच्चा एक ऐसे भविष्य का हकदार है, जिससे उसके चेहरे पर मुस्कान आ सके। हम अपने सालाना स्कॉलरशिप प्रोग्राम से बच्चों को बेहतर भविष्य देने की संभावना को जीवित रखने का प्रयत्न कर रहे हैं, जिसमें हर साल बढ़ोतरी हो रही है। इस साल न सिर्फ स्कॉलरशिप की संख्या बढ़ी है, बल्कि इससे हमने लर्निंग ऐप बाइजू'स के साथ अपनी साझेदारी कायम रखी है, जिससे हम कोलगेट स्कॉलरशिप के हर पैक के साथ बच्चों को फ्री एजुकेशन देने में सक्षम हुए हैं। बाइजू'स के संस्थापक बाइजू रविंद्रन ने कहा कि हम कोलगेट स्कॉलरशिप प्रोग्राम के साथ साझेदारी कर काफी प्रसन्न हैं। इससे हम शिक्षा को हर बच्चे के लिए सुलभ, मनोरंजक और आकर्षक बना रहे हैं।

स्कॉलरशिपप्रोग्राम 1 जून से 20 सितंबर तक खुला है। इस स्कॉलरशिप ऑफर में हिस्सा लेने के लिए कोलगेट का कोई भी पैक खरीदना अनिवार्य नहीं है। सीमित अवधि का यह स्कॉलरशिप ऑफर कोलगेट के सभी पैक्स पर उपलब्ध है।

400 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण

उदयपुर। चित्तौड़गढ़ स्थिति एमपी बिरला हॉस्पिटल द्वारा एलबीएस स्कूल के 400 छात्र-छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस दौरान बच्चों की लंबाई, वजन, ब्लड ग्रुप और आंखों की जांच की गई, हेल्थ रिपोर्ट कार्ड दिए गए साथ ही खाने पीने के संबंध में जानकारी दी गई। यह इस तरह का पहला शिविर था जिसमें बच्चों के शारीरिक विकास एवं स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया।

चॉक के झूले में शिवलिंग

उदयपुर। शहर के प्रख्यात शिल्पकार चंद्रप्रकाश चितौड़ा ने श्रावण मास के उपलक्ष्य में चॉक स्टिक से झूले की सुन्दर कृति बनाकर शिवलिंग को झूलते हुए दर्शाया है। झूले में डोरी-पाटकड़ी भी लगाई है। चित्तौड़ा ने बताया कि श्रावण मास भगवान शिव को प्रिय होने से उनकी आराधना का माह है। कलाकृति का लोकार्पण रावजी का हाटा स्थित श्री मीठारामजी मंदिर में महंत श्री रामचंद्रदास एवं हर्षितादास द्वारा किया गया।

सेवा महातीर्थ में एटीएम सेवा की शुरूआत

उदयपुर। बैंक ऑफ बड़ौदा जयपुर अंचल के प्रमुख एवं महाप्रबंधक नवीनचन्द्र उप्रेती ने गुरुवार को नारायण सेवा संस्थान के लियों का गुड़ा स्थित सेवा महातीर्थ में बैंक के एटीएम का उद्घाटन किया। भी विचार व्यक्त किए। संस्थापक कैलाश 'मानव' ने कहा कि बैंक द्वारा स्थापित एटीएम से यहां देश के विभिन्न भागों से पोलियो करेक्टिव सर्जरी के लिए आने वाले दिव्यागों एवं उनके परिजनों को काफी सहूलियत मिलेगी।

उन्होंने कहा कि दिव्यांगों के निशुल्क चिकित्सा के क्षेत्र में नारायण सेवा दुनिया के सामने सेवा की बड़ी मिसाल है। बैंक ऑफ बड़ौदा सेवा के इस मिशन में जो भी संभव होगा, मदद करेगा। विशिष्ट अतिथि बैंक के उदयपुर क्षेत्रीय कार्यालय के उप महाप्रबंधक अशोक डंगायच, जयपुर कार्यालय के सहायक महाप्रबंधक संजय भगोलिवाल तथा पूर्व महाप्रबंघक विपिन पारिक ने अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने अतिथियों को संस्थान की 33 वर्षीय सेवायात्रा की जानकारी देते हुए कहा कि इस एटीएम से आस-पास के ग्रामवासियों को भी सुविधा होगी। इस अवसर पर निदेशक वंदना अग्रवाल ने भी विचार व्यक्त किए। संचालन ओमपाल सीलन एवं महिम जैन ने किया। धन्यवाद ज्ञापन अम्बालाल क्षोत्रिय व जितेन्द्र गौड़ ने ज्ञापित किया।

महेंद्र सिंघी एनसीसीबीएम के चेयरमैन नियुक्त

उदयपुर। सीमेंट एवं कंस्ट्रक्शन उद्योगों से संबद्ध प्रतिष्ठित सरकारी निकाय नेशनल काउंसिल फॉर सीमेंट एंड बिल्डंग मैटिरियल्स (एनसीसीबीएम) ने डालमिया सीमेंट (भारत) लि. ग्रुप सीईओ महेंद्र सिंघी को नया चेयरमैन नियुक्त किया है। श्री सिंघी 2013 से एनसीसीबीएम के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स का हिस्सा हैं। एनसीसीबीएम भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्यरत है और यह सीमेंट एवं निर्माण उद्योगों से से संबंधित टैक्नोलॉजी विकास, स्थानांतरण, निरंतर शिक्षा एवं औद्योगिक सेवाओं से जुड़े पक्षों की देख रेख करता है।

एनसीसीबीएम के महानिदेशक ए सक्सेना, ने कहा कि हमें खुशी है कि एनसीसीबीएम के नेतृत्व की कमान श्री सिंघी जैसे कुशल और अनुभवी पेशेवर के हाथों में सौंपी गई है।

ऋषि कपूर मैनकाइंड फार्मा के ब्रांड एंबैसडर

उदयपुर। क्वालिटी पर ज़ोर देने वाली फार्मास्युटिकल कंपनी मैनकाइंड फार्मा ने भारत में अपना नया ओवर-द-काउंटर (ओटीसी) प्रोडक्ट - कब्ज़एंड नैचुरल लैक्सेटिव ग्रैन्यूल लॉन्च किया है जो कब्ज़ से राहत दिलाएगा। मैनकाइंड फार्मा ने अभिनेता ऋषि कपूर को इस नए प्रोडक्ट के लिए अपना ब्रांड एंबैसडर बनाया है। कब्ज़एंड को आयुर्वेद आधारित फार्मूले से तैयार किया गया है जो नियमित बाउल मूवमेंट को बरकरार रखते हुए शरीर की समुचित सफाई सुनिश्चित करता है। यह प्रोडक्ट 50 ग्राम की बोतल 50 रु की कीमत पर उपलब्ध है।

मैनकाइंड ग्रुप के सीईओ राजीव जुनेजा ने कहा कि जीवनशैली में बदलाव और समुचित पोषण के अभाव में शरीर में कब्ज़ की समस्या पैदा होती है जो लंबे समय तक कायम रहने पर स्वास्थ्य के लिए गंभीर समस्या बन जाती है। कब्ज़एंड में जांची-परखी जड़ी-बूटियों का मिश्रण है जो कब्ज़, अपच, गैस और अनियमित बाउल सिंड्रोम जैसी तकलीफों को दूर करने में कारगर है।

लैंड रोवर ने 70 सालों का जश्न मनाया

उदयपुर। लैंड रोवर ने अपनी 70वीं वर्षगांठ के जश्न को एक नये मुकाम पर पहुंचाया है। इसके लिये पश्चिम बंगाल में एक दूरदराज के ग्रामीण समुदाय की यात्रा की गई, जोकि अपने अस्तित्व के लिये क्लासिक मॉडलों के एक बेड़े पर निर्भर करता है। 'लैंड ऑफ लैंड रोवर्स' के रूप में मशहूर यह क्षेत्र हिमायल की गहराई में एक ग्रामीण है। यह वर्ष 1957 से अब तक अच्छी तरह से मेंटेन की गई सीरीज लैंड रोवर्स के एक बेड़े पर निर्भर है।

इस बारे में एक फिल्म रिलीज की गई है जिसमें भारत के पश्चिम बंगाल में मनीभानजंग के निवासियों द्वारा अपनी जीवन यापन के लिये संदाकफुतक किये जा रहे 31 किमी के आकर्षक सफर पर जोर दिया गया है। ढलान वाले क्षेत्र, चट्टानी पहाड़ियां और बेहद सख्त मौसम कुछ सामान्य खतरें हैं, जिनका सामना यहां के निवासियों को रोजाना करना पड़ता है। यहां के लोग लगभग 3, 636 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पहाड़ी गांव से अपने लैंड रोवर्स में यात्रा करते हैं। लैंड रोवर की टीम ने सीरीज मॉडलों के उल्लेखनीय कलेक्शन का दौरा किया, जो भरोसेमंद एवं अजेय ऑल-टेरेन ट्रांसपोर्ट रूप में समुदाय के लिये एक महत्वपूर्ण भूमिका उपलब्ध कराती है। यह ऑरिजिनल लैंड रोवर की 70वीं सालगिरह है। लैंड रोवर ने 1948 में ऐमस्टर्डम में अपना डेब्यू किया था।

पौधारोपण कार्यक्रम में एक हजार पौधे रोपे

उदयपुर। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कमर चौधरी, एसडीएम गिर्वा लोकबन्धु, गीतांजलि ग्रुप के कार्यकारी निदेशक अंकित अग्रवाल, गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. किशोर पुजारी, कलड़वास सरपंच हीरालाल डांगी, विकास अधिकारी गिर्वा रामस्वरुप, मैनेजर ऑपरेशन्स अमित बंसल एवं कार्यक्रम प्रभारी विनोद शर्मा सहित छात्रों, चिकित्सकों एवं कर्मचारियों द्वारा एक हजार पौधे रोपे गए।

दिलीपसिंह चौहान ड्रेगन बोट टीम (महिला) के मैनेजर नियुक्त

उदयपुर। राजस्थान में वाटर स्पोर्ट्स को पहचान दिलाने वाले उदयपुर के वरिष्ठ तैराकी प्रशिक्षक दिलीपसिंह चौहान को जकार्ता में होने वाले एशियाई खेलों में भारतीय कयाकिंग एवं केनोईंग संघ के महासचिव प्रशांत कुशवाह ने भारतीय महिला ड्रेगन बोट टीम का मैनेजर नियुक्त किया है। चौहान टीम के साथ 21 अगस्त को उदयपुर से दिल्ली और वहाँ से जकार्ता के लिए रवाना होंगे। प्रतियोगिता 25 से जकार्ता में होगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2012 से लेकर अब तक फतहसागर झील में लगभग छह बार वाटर स्पोर्टस की विभिन्न प्रतियोगिताएं हो चुकी है। इनमें कयाकिंग, केनोइंग, ड्रेगन बोट, केनोइ पोलो एवं सेंलीग की राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं हुई जिनका श्री चौहान ने सफल आयोजन किया।

कॉन्टैक्टलेस कार्ड से बिक्री में होगी वृद्धि

उदयपुर। इंटरनेट के तेजी से हुए विस्तार के साथ, ई-कॉमर्स ने भारत में व्यापक रूप ले लिया है, जिससे स्थानीय किराना की दुकानों और छोटे खुदरा विक्रेताओं को कड़ी प्रतिस्पर्धा मिल रही है। भारतीयों का एक बड़ा प्रतिशत अभी भी ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म की जगह पर खुद स्टोर जाना पसंद करते है।

वीज़ा समूह के भारत और दक्षिण एशिया के कंट्री मैनेजर टीआर रामचंद्रन ने कहा कि ऑफ़लाइन खरीदारी के प्रति अधिकांश भारतीयों के झुकाव के पीछे प्राथमिक कारणों में से एक है खरीदारी से पहले सामान को अपने हाथो से देखने व परखने का अनुभव प्राप्त करना। हालांकि, ज्यादातर ग्राहकों के पास समय की कमी रहती है, ऑफलाइन स्टोर को उनके लिए अपनी मानसिकता को बदलना जरूरी है और ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने और खरीदारी व लेनदेन समय को कम करने के लिए टेक्नोलॉजी का उपयोग करने की आवश्यकता है। निर्बाध भुगतान अनुभव प्रदान करना ऐसा करने का एक बेहतरीन तरीका है।

हरियाली अमावस्या मेले में उमड़ी भीड

- डॉ. तुक्तक भानावत -

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 11-12 अगस्त को दो दिवसीय हरियाली अमावस्या का मेला आयोजित हुआ। पहले दिन उदयपुर तथा आसपास के गांवों के जनजाति स्त्री-पुरूष एवं अन्य ग्रामीणजनों का सैलाब उमड़ पड़ा जबकि दूसरे केवल महिलाओं ने इस मेले की भागीदार की।

पहले दिन महिला-पुरुषों का मेला सहेलियों की बाड़ी तथा फतहसागर की पाल पर एवं दूसरे दिन महिलाओं का मेला सहेलियों की बाड़ी पर भरा। मेला स्थलों पर मनोरंजन एवं आवश्यक खरीद फरोख्त के लिये 400 से अधिक अस्थायी दुकानें लगाई गई। मेले में रंग बिरंगे परिधान में सजी हंसती, खिलखिलाती महिलाओं ने अपने बच्चों के साथ आनंद उठाया। आदिवासी बालाएं सजधज और होठों पर लाली लगाकर मेले में पहुंची।

मेले में महिलाओं ने मालपुए, चाट पकोडी, भेल पुड़ी, पाव भाजी, छोले भटुरे, पिज्जा, चाउमीन, अमेरिकन चौप्सी, पनीर चिल्ली, भुट्टे, चना चोर गरम, कुल्फी सहित विभिन्न पेय पदार्थों का जमकर लुत्फ उठाया। महिलाओं ने साड़ी, चूड़ियां, बिंदी, आर्टिफिशियल ज्वेलरी की जमकर खरीददारी की वहीं बच्चों ने फुटबॉल, भोंपू, चमकती तलवारें, कागज की टोपियों की खूब खरीददारी की। मेले में बच्चों, महिलाओं व युवतियों ने डोलर में बैठकर सावन के झूलों का आनंद उठाया।

लोककलाविद् डॉ. महेन्द्र भानावत ने बताया कि प्रसिद्धि है कि यह मेला महाराणा फतहसिंह ने सन् 1899 में प्रारंभ किया। जब फतहसागर की पाल बन गई तब महाराणा ने इसके अवलोकन का मानस बनाया। उस दिन हरियाली अमावस्या ही थी। महाराणा फतहसिंह सपरिवार गाजे-बाजे के साथ दरबारियों सहित पधारे। इस खुशी में पाल पर शहरवासी भी उमड़ पड़े और एक खासा मेला सा दृश्य हो गया। इस दिन मौसम बहुत खुशनुमा था। महाराणा पाल पर जनता जनार्दन को दर्शन देकर अपनी रानी चावड़ी सहित पास की ऊंची पहाड़ी पर स्थित नीमज माता के दर्शनार्थ गए। लौटते समय रानीजी ने महाराणा से निवेदन किया कि केवल एक दिन के मेले से मन नहीं भरा। तब दरबार ने रानी की इस इच्छा पर मेले की अवधि दो दिन कर दी और कहा कि दूसरे दिन केवल जनानियों अर्थात महिलाओं का मेला रहेगा। इस दिन से प्रतिवर्ष ही हरियाली अमावस्या पर दो दिन का मेला लगना प्रारंभ हो गया।

खोज-खबर लेखिका सम्मेलन और मेहरुन्निसा परवेज

राजस्थान साहित्य अकादमी का उदयपुर के कृषि कॉलेज में लेखिका सम्मेलन आयोजित किया गया। ख्यात लेखिकाओं में सावित्री परमार के अलावा नंद चतुर्वेदी, प्रकाश आतुर, पूनम दईया, शलभ, भगवती व्यास, सुधा गुप्ता, प्रभा वाजपेयी, विश्वंभर व्यास, देवकर्ण सिंह, आलमशाह खान, किशन दाधीच आदि थे। जानीमानी कथाकार महरुन्निसा परवेज खास मेहमान थी। हम सब मेहमानों की प्रतीक्षा में गपशप में थे। इतने में आलमशाह खान को मस्ती सूझी। मेरा हाथ पकड़ बोले, मेहरुन्निसा आयेगी तब सभी के परिचय के साथ मैं भानावतजी का परिचय देवीलाल सामर के रूप में कराऊंगा तब सबको एक अजीब तमाशा देखने को मिलेगा।

इतने में अकादमी सचिव लक्ष्मीनारायण नन्दवाना के साथ मेहरुन्निसा परवेज दिखाई दी। लोन में सबके स्वागत के बीच एक-एक का परिचय कराया गया। मेरे पास ज्योंही मेहरुन्निसा आई तो डॉ. आलमशाह बोले, ये हैं देवीलाल सामर विश्वप्रसिद्ध कलाकार जिन्होंने लोककला मंडल की स्थापना की।

परिचय की ये पंक्तियां सुनते ही मेहरुन्निसा ने बहुत मुस्कान दी और हाथ जोड़ते बोली, आपसे पहले भी मिलना हुआ है। बहुत खुशी हुई। उनके यह कहते ही डॉ. खान जैसे बरस पड़े। बोले, क्या खाक खुशी हुई। ये तो डॉ. महेन्द्र भानावत हैं। मेहरुन्निसा के वहां से चले जाने के बाद वहां एक अजीब सा विस्मयोचित सन्नाटा छा गया। आलमशाह बोले, ये लेखक-लेखिकाएं अपने को आखिर समझते क्या हैं? किस घमंड में चूर रहते हैं और दूसरों को बिना मिले-समझे ही कैसी शब्दावली में चलताऊ बना देते हैं। **- म. भा.**

उदयपुर सहकारी उपभोक्ता थोक भण्डार लि.
शास्त्री सर्कल, उदयपुर (राज.)

स्वाधीनता दिवस के पर्व पर भण्डार के सभी सदस्यों एवं उपभोक्ताओं को हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई

(प्रेम प्रकाश माण्डोत) प्रकाशक

(आशुतोष भट्ट) महाप्रबन्धक

निःशुल्क नेत्र सेवा प्रकल्प
सोमवार से शनिवार तारा संस्थान
के नेत्र चिकित्सालय तारा नेत्रालय में निःशुल्क
PHACO पद्धति द्वारा मोतियाबिन्द ऑपरेशन,
नेत्र परीक्षण एवं लेन्स प्रत्यारोपण तथा चश्मे के नम्बर
236, सेक्टर 6, हिरण मगरी (जे.बी. हॉस्पीटल के पास वाली गली),
उदयपुर - 313002 (राज.) भारत (+91) 9549399993, 9649399993

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

नारायण सेवा संस्थान परिवार
की ओर से
देशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएँ
हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313002
Tel.:+91-294-6622222, 3990000,Mobile: 09649499999
Web : www.narayanseva.org,E-mail : info@narayanseva.org

मुख्यमंत्री जन आवास योजना प्रारूप 3–ए के अन्तर्गत

पिछले 20 वर्षों से उदयपुर शहर में कई आवासीय योजनाओं के सफलतम निर्माण में निरन्तर अग्रणी आर्ची ग्रुप ऑफ बिल्डर्स लेकर आ रहे है, आर्थिक रूप से कमजोर (EWS) एवं अल्प आय वर्ग (LIG) के लिये एक अभुतपूर्व आवासीय योजना -

ARCHI'S GALAXY

तारों कि दुनिया में हो घर अपना

- राज्य सरकार द्वारा पंजीयन शुल्क में छूट
- आवंटन लॉटरी द्वारा खोले जायेंगे
- अग्रणी बैंको से ऋण सुविधा उपलब्ध
- 2.67* लाख तक की ब्याज सब्सिडी

1 BHK फ्लेट मात्र **9.91 लाख में** | 2 BHK फ्लेट मात्र **14.91 लाख में**

बुकिंग से पहले सेम्पल फ्लेट जरूर देखें।

"An honest effort to change the definition of Affordable Housing"

Specifications

1. Flooring- Vitrified tiles 600 x 600.
2. Semi Modular Kitchen with SS Sink & Granite Platform (Rajasthan Black or Equivalent Granite).
3. Windows & Sliders - Aluminium Section (Sliding).
4. Wiring - (Poly Cab/ Anchor/Vimal/KEI or Other Equivalent ISI mark Brand).
5. Switches - Modular Switches.
6. Tiles - Branded tiles upto 7' 0" in Toilets.
7. C.P. Fitting – (Cera/Hindware/Plumber or Other Equivalent Brand).
8. Sanitary ware - (Hindware / Cera or Other Equivalent Brand).
9. Doors – Both side laminated flush doors.
10. Plumbing- (Astral/ Finolex or Other Equivalent Brand).
11. Lift (Kone/ Omega/ JOHNSON or Other Equivalent Brand).
13. Steel- TATA, Gallant, Rathi, JSW, Pollard, Kamdhenu or other equivalent brand.
14. Finishing - Sandla on interior walls.

अन्य आकर्षण

- ✓ योजना में 75% से ज्यादा खुला क्षेत्र
- ✓ 20 हजार वर्गफिट का पार्क
- ✓ बच्चों के खेलने का पार्क व मन्दिर
- ✓ ओपन जिम, बेडमिन्टन व वॉलीबॉल कोर्ट
- ✓ लिफ्ट एवं कॉमन एरिया के लिये 24 घण्टे बिजली
- ✓ पीने के पानी के लिये आर. ओ. प्लान्ट
- ✓ शॉपिंग सुविधा
- ✓ पार्टी हॉल एवं इण्डोर गेम्स

आवेदन पत्र मिलने के स्थान –

- ✓ ग्राउण्ड फ्लोर, आर्ची अरिहन्त अपार्टमेन्ट, फोर्टिस हॉस्पिटल के पास, शोभागपुरा सर्कल, उदयपुर
- ✓ एन.एच. 76, जिंक स्मेल्टर के पास, देबारी पॉवर हाऊस के सामने, उदयपुर
- ✓ खाटिया भवन, शक्ति नगर, मेन रोड, उदयपुर
- ✓ राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक, 90 बापु बाजार, जोधपुर मिष्ठान भण्डार के ऊपर, उदयपुर

Developer:
ARCHI ARIHANT
(A Unit of Archi Group of Builders)

Ground Floor, Archi Arihant Apartment, Near Shobhagpura Circle
Shobhagpura, Udaipur (Raj.) 313001 **Office:** +91 800 359 7922, 977 222 1666
Email: archiarihant1@gmail.com, deepakg2288@gmail.com

Site Address: NH 76, Near Zinc Smelter, Opp. Debari Power House, Udaipur (Raj.)

RERA Reg. No.: RAJ/P/2018/788

For Booking: 800 359 7941, 800 359 7909, 941 449 6801, 766 551 0888, 8003597907

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक डॉ. तुक्तक भानावत द्वारा 352, कृष्णपुरा, सेंटपॉल स्कूल के पास, उदयपुर – 313001 (राज.) से प्रकाशित एवं मुद्रक लोकेश कुमार आचार्य द्वारा मैसर्स पुकार प्रिंटिंग प्रेस 311–ए, चित्रकूट नगर, भुवाणा, उदयपुर (राज.) से मुद्रित। सम्पादक : रंजना भानावत। फोन : 0294–2429291, मोबाइल – 9414165391, Email : shabdranjanudr@gmail.com, drtuktakbhanawat@gmail.com, सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।